चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 17 अगस्त 2026, अंक –337.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

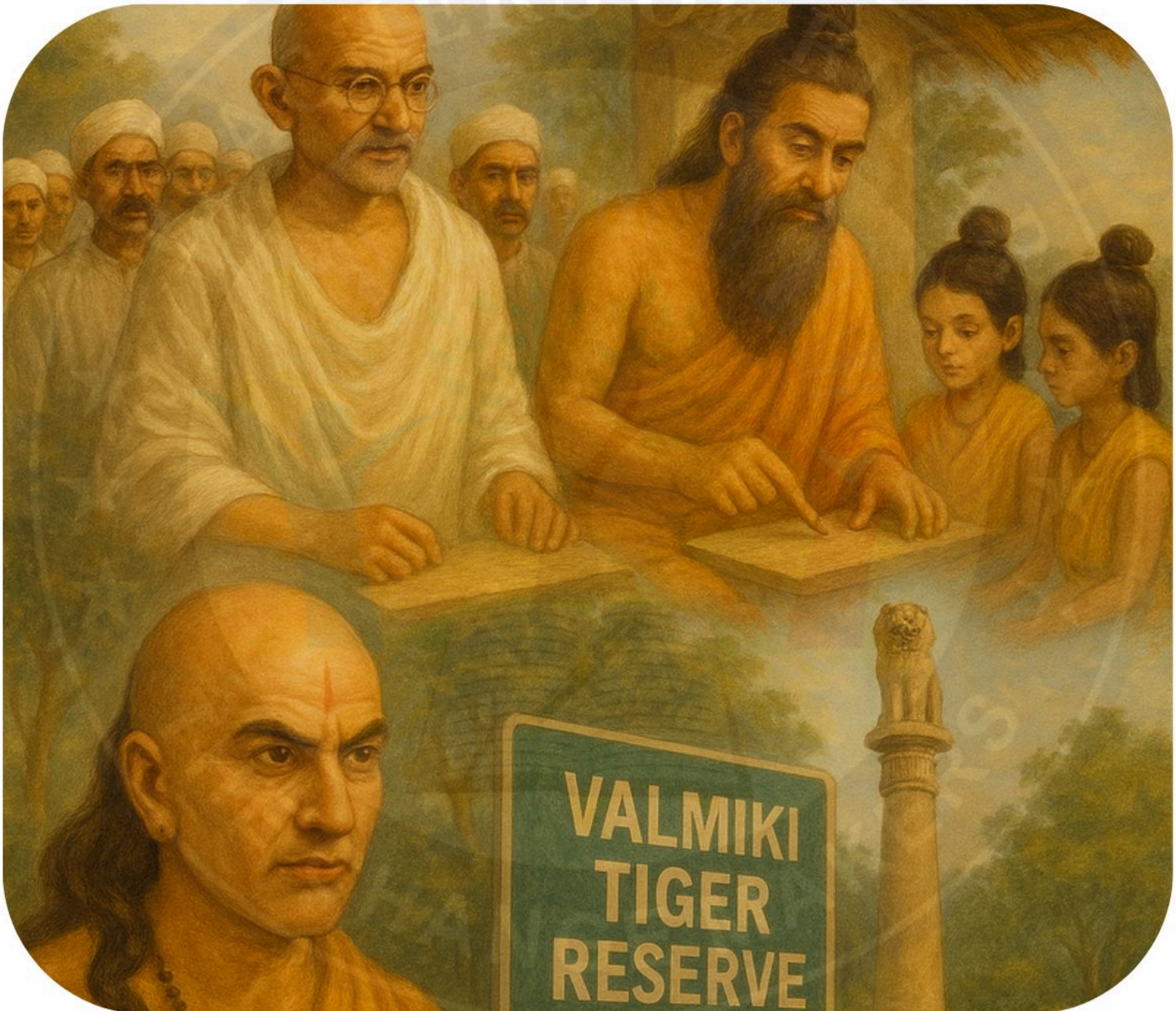

"गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर है।"

— कबीर

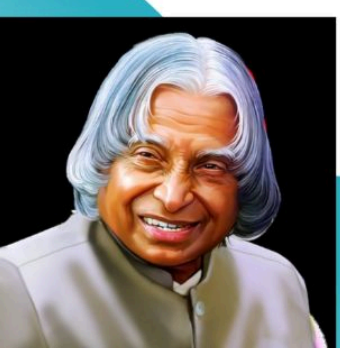

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा......

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. केन्या की राजधानी क्या है?
उत्तर: नैरोबी
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला ओलंपिक पदक विजेता कौन थीं?
उत्तर: कर्णम मल्लेश्वरी
प्रश्न 3. 'चांग लो' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: नागालैंड
प्रश्न 4. 121 का वर्गमूल क्या है?
उत्तर: 11
प्रश्न 5. विक्रमशिला महाविहार बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: भागलपुर
प्रश्न 6. कौन-सा बिहार का एकमात्र टाइगर रिजर्व है?
उत्तर: वाल्मीकि टाइगर रिजर्व �
Bihar Tourism +1
प्रश्न 7. पास्कलीन (Pascaline) नामक यांत्रिक गणना यंत्र किसने बनाया था?
उत्तर: ब्लेज़ पास्कल
प्रश्न 8. भारत के संविधान की प्रस्तावना में 'Equality' का हिन्दी अर्थ क्या है?
उत्तर: समता
प्रश्न 9. 'जो पढ़ा-लिखा न हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: निरक्षर
प्रश्न 10. पौधे श्वसन के लिए किस गैस का उपयोग करते हैं?
उत्तर: ऑक्सीज़न।

संकलन:-
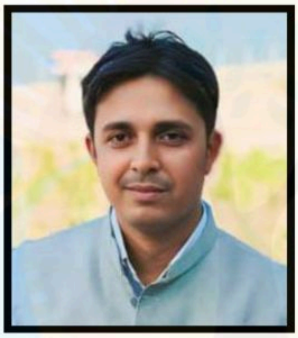
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Pillow – (पिलो) – तकिया
Blanket – (ब्लैंकेट) – कंबल
Bolster – (बोल्स्टर) – गोल लंबा तकिया
Cradle – (क्रेडल) – पालना
Headboard – (हेडबोर्ड) – पलंग के सिरहाने का पट्ट
Mosquito Net – (मॉस्किटो नेट) – मच्छरदानी
Bedspring – (बेडस्प्रिंग) – पलंग का स्प्रिंग

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "किसे ... करोगे/करोगी?" (Whom will you ...?)

तुम किसे बुलाओगे/बुलाओगी? – Whom will you call?
तुम किसे अपनी किताब दोगे/दोगी? – Whom will you give your book?
तुम किसे अपनी बात बताओगे/बताओगी? – Whom will you tell?
तुम किसे आमंत्रित करोगे/करोगी? – Whom will you invite?
तुम किसे अपना दोस्त बनाओगे/बनाओगी? – Whom will you make your friend?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 17 अगस्त 2026 को कौन सा प्रमुख हिंदू पर्व मनाया जा रहा है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: नाग पंचमी (Naag Panchami)
व्याख्या: 17 अगस्त 2026 को "नाग पंचमी" मनाई जा रही है — यह हिंदू समुदाय के लिए एक शुभ दिवस है जो सर्पों की पूजा को समर्पित है। इस दिन देश के अनेक भागों में प्रार्थनाएँ और अनुष्ठान आयोजित होते हैं। (StudyIQ) नाग पंचमी श्रावण माह (सावन) के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाई जाती है। इस दिन शिव मंदिरों में विशेष पूजा होती है — नाग-देवता (सर्प) भगवान शिव के आभूषण माने जाते हैं। महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश में यह पर्व विशेष उत्साह से मनाया जाता है। नाग पंचमी का पर्यावरण महत्व भी है — इस दिन से "सर्प संरक्षण" और जैव विविधता के प्रति जागरूकता भी फैलाई जाती है।
संदर्भ: vajiramandravi.com Important Days August 2026; thehansindia.com Important Days August 17, 2026;

प्र.2. 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह (15 अगस्त 2026) में "डिजिटल इंडिया भाषिणी" (Digital India Bhashini) का उपयोग किस लिए किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: PM के भाषण का 22 भाषाओं में रियल-टाइम अनुवाद
व्याख्या: 80वें स्वतंत्रता दिवस 2026 में "डिजिटल इंडिया भाषिणी" (AI-आधारित अनुवादक) ने PM के भाषण का 22 भारतीय भाषाओं में रियल-टाइम अनुवाद किया — ताकि प्रत्येक भारतीय "विकसित भारत 2047" का विजन अपनी मातृभाषा में समझ सके। (Vajiram & Ravi) 80वें स्वतंत्रता दिवस की थीम "150 Years of Vande Mataram" और "Yuva Shakti for Viksit Bharat@2047" रही। स्वदेशी प्रौद्योगिकी (6G परीक्षण, अर्धचालक मिशन, AI), हरित परिवर्तन (Mission LiFE, Solar Villages, Green Hydrogen) और आत्मनिर्भर रक्षा पर जोर दिया गया। (India.com) पहली बार लाल किले में सभी उपकरण स्वदेशी निर्मित थे। "भाषिणी" MeitY (Ministry of Electronics and IT) की एक पहल है जो भारतीय भाषाओं में AI आधारित डिजिटल सेवाएँ प्रदान करती है।
संदर्भ: nextias.com 80th Independence Day 2026;

प्र.3. "ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक" के अलावा भारत के किस पूर्व राष्ट्रपति ने "माई प्रेसिडेंशियल इयर्स" (My Presidential Years) लिखी जो भारतीय राजनीति की अंदरूनी कहानियाँ बताती है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: आर. वेंकटरमण (R. Venkataraman)
व्याख्या: "माई प्रेसिडेंशियल इयर्स" (My Presidential Years, 1994) भारत के 8वें राष्ट्रपति रामास्वामी वेंकटरमण (1987-1992) की संस्मरण-पुस्तक है। इसमें उन्होंने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्रियों — राजीव गाँधी, वी.पी. सिंह, चंद्रशेखर और पी.वी. नरसिम्हा राव — के साथ संवैधानिक संबंधों और राजनीतिक उठापटक का विस्तृत विवरण दिया है। यह पुस्तक "राष्ट्रपति की संवैधानिक भूमिका" को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता दिवस सप्ताह में भारत के राष्ट्रपतियों के योगदान पर यह प्रश्न विशेष प्रासंगिक है।
संदर्भ: आर. वेंकटरमण — "My Presidential Years", Harper Collins, 1994;

प्र.4. "हरित हाइड्रोजन" (Green Hydrogen) को "भविष्य का ईंधन" क्यों कहा जाता है और इसका उत्पादन कैसे होता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: शून्य कार्बन उत्सर्जन; नवीकरणीय ऊर्जा से जल का विद्युत-अपघटन (Electrolysis)
व्याख्या: "हरित हाइड्रोजन" (Green Hydrogen) वह हाइड्रोजन है जो नवीकरणीय ऊर्जा (सौर, पवन) द्वारा उत्पन्न बिजली से "जल-विद्युत-अपघटन" (Water Electrolysis) की प्रक्रिया में बनाई जाती है: $2H_2O \rightarrow 2H_2 + O_2$। इसमें कोई कार्बन उत्सर्जन नहीं होता — इसीलिए इसे "हरित" कहते हैं। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर "राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन" प्रमुख विषयों में था। (Vajiram & Ravi) भारत ने 2030 तक 5 मिलियन टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसका उपयोग उद्योग, परिवहन और ऊर्जा संग्रहण में होगा। "ग्रे हाइड्रोजन" प्राकृतिक गैस से बनती है और CO_2 उत्सर्जित करती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 14 Sources of Energy, p. 183–186;

प्र.5. स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल और अंतिम ब्रिटिश वायसराय कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: प्रथम भारतीय गवर्नर-जनरल — सी. राजगोपालाचारी (राजाजी); अंतिम ब्रिटिश वायसराय — लॉर्ड माउंटबेटन
व्याख्या: 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ तो लॉर्ड माउंटबेटन (Louis Mountbatten) भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल बने — वे अंतिम ब्रिटिश वायसराय भी थे। माउंटबेटन जून 1948 तक इस पद पर रहे। इसके बाद "चक्रवर्ती राजगोपालाचारी" (C. Rajagopalachari/Rajaji) भारत के दूसरे और अंतिम गवर्नर-जनरल बने (जून 1948 — जनवरी 1950) — वे इस पद पर रहने वाले पहले और एकमात्र भारतीय थे। 26 जनवरी 1950 को भारत गणराज्य बनने पर गवर्नर-जनरल का पद समाप्त हुआ और डॉ. राजेंद्र प्रसाद प्रथम राष्ट्रपति बने।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Ch 15 Framing the Constitution, p. 373;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "6G प्रौद्योगिकी" (6G Technology) में भारत के क्या लक्ष्य हैं और इसे 5G से किस प्रकार बेहतर माना जाता है? (भूगोल)
उत्तर: 2030 तक स्वदेशी 6G लॉन्च; 100 गुना तेज़ डेटा गति, 1 Terabit/s
व्याख्या: 80वें स्वतंत्रता दिवस 2026 में "6G परीक्षण" और "अर्धचालक मिशन" स्वदेशी प्रौद्योगिकी के प्रमुख विषय थे। (India.com) भारत का लक्ष्य है: 2030 तक स्वदेशी 6G तकनीक विकसित और तैनात करना। "भारत 6G मिशन" (IMC 2023 में घोषित) के अंतर्गत IIT, IISc और TEC (Telecom Engineering Centre) मिलकर कार्य कर रहे हैं। 6G की विशेषताएँ: (1) गति: 1 Terabit/second (5G से 100 गुना तेज़); (2) विलंब: 0.1 ms (लगभग शून्य); (3) AI-एकीकरण; (4) अंतरिक्ष संचार। भारत इस क्षेत्र में अमेरिका, चीन, जापान और यूरोप के साथ वैश्विक नेतृत्व की दौड़ में है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 13 Magnetic Effects — Electromagnetic Waves;

प्र.7. "अनुच्छेद 51A" के अंतर्गत "राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना" किस मूल कर्तव्य में आता है और "भारतीय झंडा संहिता 2002" के अनुसार आम नागरिक कब तिरंगा फहरा सकते हैं? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: मूल कर्तव्य (a); वर्षभर — दिन और रात भी
व्याख्या: अनुच्छेद 51A(a) — "संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।" "भारतीय झंडा संहिता, 2002" और इसके 2022 के संशोधन के अनुसार: (1) आम नागरिक वर्षभर कभी भी तिरंगा फहरा सकते हैं (पहले केवल राष्ट्रीय अवसरों पर); (2) 2022 संशोधन: अब मशीन से बनी पॉलिएस्टर और मशीन-स्पन खादी तिरंगे भी स्वीकृत हैं; (3) रात को भी फहराया जा सकता है यदि पर्याप्त रोशनी हो। "हर घर तिरंगा" अभियान (2022 से) इसी संशोधन की प्रेरणा से चल रहा है। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर इस संदर्भ का विशेष महत्व है।
संदर्भ: Constitution of India, Article 51A(a); Flag Code of India 2002;

प्र.8. "6G तकनीक" में "Terahertz (THz) स्पेक्ट्रम" का उपयोग होगा — NCERT विज्ञान के अनुसार "विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम" में Terahertz किन दो भागों के बीच होता है? (विज्ञान)
उत्तर: माइक्रोवेव और अवरक्त (Infrared) के बीच
व्याख्या: "विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम" (Electromagnetic Spectrum) में तरंगदैर्ध्य के अनुसार क्रम है: रेडियो तरंग → माइक्रोवेव → Terahertz (0.1-10 THz) → अवरक्त (Infrared) → दृश्य प्रकाश → पराबैंगनी → X-किरण → गामा किरण। Terahertz तरंगें (0.1-10 THz आवृत्ति) माइक्रोवेव और अवरक्त के बीच होती हैं। इनकी विशेषताएँ: अत्यधिक उच्च डेटा दर, लघु दूरी पर उत्कृष्ट संचार। 5G में मिलीमीटर वेव (mmWave, 24-100 GHz) उपयोग होती है जबकि 6G में Terahertz (100+ GHz) — यही 6G को 5G से कहीं अधिक शक्तिशाली बनाता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 13 Magnetic Effects of Electric Current — Electromagnetic Waves;

प्र.9. "भरत मुनि" के "नाट्यशास्त्र" में वर्णित "नव रस" (Nine Rasas) कौन से हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: श्रृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत, शांत
व्याख्या: "नाट्यशास्त्र" भरत मुनि (2nd शताब्दी ईपू - 2nd शताब्दी ईसवी) द्वारा रचित भारतीय नाट्य, संगीत और नृत्य का आधारभूत ग्रंथ है। इसमें "रस सिद्धांत" प्रतिपादित है — रस = कला-अनुभव में उत्पन्न भावना। मूल आठ रस: (1) श्रृंगार (प्रेम), (2) हास्य (हँसी), (3) करुण (दुख), (4) रौद्र (क्रोध), (5) वीर (साहस), (6) भयानक (भय), (7) बीभत्स (घृणा), (8) अद्भुत (आश्चर्य)। बाद में अभिनवगुप्त ने 9वाँ रस — शांत (आत्मिक शांति) — जोड़ा। स्वतंत्रता दिवस सप्ताह में भारत की सांस्कृतिक विरासत का यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts, p. 71–72;

प्र.10. बिहार में स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2026) पर "मुख्यमंत्री" कहाँ ध्वजारोहण करते हैं और बिहार का राज्य स्थापना दिवस कब मनाया जाता है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: पटना के गाँधी मैदान में; 22 मार्च (1912 में बिहार अलग प्रांत बना)
व्याख्या: बिहार में स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर मुख्यमंत्री पटना के "गाँधी मैदान" (ऐतिहासिक बाँकीपुर मैदान) में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं और परेड की सलामी लेते हैं। "बिहार दिवस" (Bihar Diwas) प्रतिवर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है क्योंकि 22 मार्च 1912 को बिहार को बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग करके एक स्वतंत्र प्रांत बनाया गया था। 2026 में बिहार दिवस 114वीं वर्षगाँठ था। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिहार में "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष और "युवा शक्ति" थीम पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए।
संदर्भ: Bihar Government Official Records; Bihar Diwas — March 22, 1912;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W3 ("सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान") के अनुसार – सर्पदंश होने पर सबसे पहले क्या नहीं करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: घाव को चूसें नहीं, काटें नहीं, बाँधें नहीं (टूर्निकेट नहीं)

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W3 ("सांप-बिच्छू दंश एवं विषैले जीव-जंतुओं के काटने से बचाव") के अनुसार, सर्पदंश के बाद बच्चों को ये "नहीं करने वाली" बातें सिखाएँ – जो अधिकांश लोग गलती से करते हैं: (1) घाव को मुँह से न चूसें – इससे जहर चूसने वाले के मुँह में जाता है; (2) घाव को चाकू-ब्लेड से न काटें – संक्रमण और रक्तस्राव का खतरा; (3) टूर्निकेट (कस कर बाँधना) न करें – इससे ऊतक नष्ट होते हैं; (4) झाड़-फूँक में समय बर्बाद न करें। सही कदम: (1) पीड़ित को शांत रखें और हिलने-डुलने से रोकें – हृदय गति धीमी रहने पर जहर धीरे फैलता है; (2) काटे गए अंग को हृदय से नीचे रखें; (3) तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाएँ जहाँ एंटी-स्नेक वेनम (ASV) उपलब्ध हो। बिहार में सर्पदंश से प्रतिवर्ष अनेक मौतें होती हैं – सही जानकारी जीवन बचाती है।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W3 – "सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान"

प्र.12. भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ। यदि भारत 2047 में स्वतंत्रता का "शताब्दी वर्ष" मनाएगा, तो 2026 तक स्वतंत्रता के कितने प्रतिशत वर्ष पूर्ण हो चुके होंगे? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 79%

व्याख्या: कुल शताब्दी = 100 वर्ष (1947 से 2047)। 15 अगस्त 2026 तक पूर्ण वर्ष = 2026 – 1947 = 79 वर्ष। प्रतिशत = (79/100) × 100 = 79%। अर्थात् "विकसित भारत@2047" की यात्रा का 79% पूर्ण हो चुका है – और अभी 21% शेष है। यह गणना "प्रतिशत" (Percentage) की एक व्यावहारिक और प्रेरणादायक प्रस्तुति है। BPSC, SSC, Railway परीक्षाओं में "प्रतिशत गणना" का यह सरलतम रूप है जो राष्ट्रीय जागरूकता से भी जोड़ता है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities – Percentage, p. 156;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

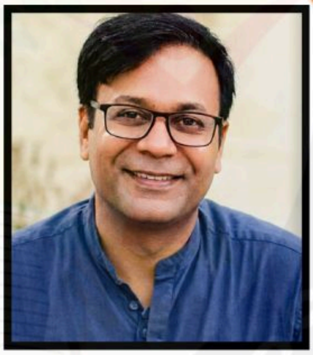

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Alleviate (अलीविएट) = Relieve (रिलीव) = कम करना / राहत पहुँचाना
Antonym – Aggravate (ऐग्रवेट) = और अधिक गंभीर करना

Brevity (ब्रेविटी) = Conciseness (कन्साइसनेस) = संक्षिप्तता / कम शब्दों में बात कहना
Antonym – Verbosity (वर्बोसिटी) = शब्दाडंबर / अनावश्यक विस्तार

Coerce (कोअर्स) = Compel (कम्पेल) = बलपूर्वक मजबूर करना
Antonym – Persuade (परस्वेड) = समझाकर सहमत करना

Disseminate (डिसेमिनेट) = Spread (स्प्रेड) = प्रसारित करना / फैलाना
Antonym – Suppress (सप्रेस) = दबाना / रोकना

Erudite (एरुडाइट) = Learned (लर्निड) = विद्वान / गहन ज्ञान वाला
Antonym – Ignorant (इग्नोरेन्ट) = अज्ञानी

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Notifies 'National Quantum Communication Grid 2.0' to Bolster Cyber Defense and Data Sovereignty.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने साइबर रक्षा और डेटा संप्रभुता को मजबूत करने के लिए 'राष्ट्रीय क्वांटम संचार ग्रिड 2.0' अधिसूचित किया।
राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के अंतर्गत केंद्र सरकार ने देश के रणनीतिक संचार, बैंकिंग नेटवर्क्स और रक्षा प्रणालियों को क्वांटम-सुरक्षित बनाने के लिए उन्नत एन्क्रिप्शन नेटवर्क की शुरुआत की है। इस परियोजना के तहत प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं को जोड़ते हुए स्वदेशी क्वांटम की-डिस्ट्रीब्यूशन (QKD) तकनीक का विस्तार किया जाएगा।

English Headline: NITI Aayog Unveils 'National Green Energy Storage and Grid Integration Index 2026'.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय हरित ऊर्जा भंडारण एवं ग्रिड एकीकरण सूचकांक 2026' का अनावरण किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम सूचकांक में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को मुख्य ग्रिड से जोड़ने और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) के विकास में राजस्थान, गुजरात और तमिलनाडु ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह रिपोर्ट 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में राज्यों की प्रगति का व्यापक मूल्यांकन करती है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Flight Qualification Hot Test of Upgraded Semi-Cryogenic Booster Engine.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने उन्नत सेमी-क्रायोजेनिक बूस्टर इंजन का उड़ान योग्यता हॉट परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (IPRC) में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण पूरा किया। यह इंजन भविष्य के भारी प्रक्षेपण वाहनों (LVM3) की भार वहन क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ आगामी चंद्र व गगनयान अभियानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेगा।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Historic Framework on 'Global Governance for Safe and Ethical Autonomous AI Systems'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'सुरक्षित और नैतिक स्वायत्त एआई प्रणालियों के लिए वैश्विक शासन' पर ऐतिहासिक रूपरेखा अपनाई।
संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित विशेष पूर्ण सत्र में सदस्य देशों ने स्वायत्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के सुरक्षित, पारदर्शी और मानवीय नियंत्रण वाले उपयोग के लिए वैश्विक सुरक्षा मानकों को सर्वसम्मति से स्वीकार किया। इसका उद्देश्य वैश्विक साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और विकासशील देशों में डिजिटल विभाजन को कम करना है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Commit Joint $2.9 Billion Climate Resilience Facility for South Asian River Basins.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई नदी घाटियों के लिए संयुक्त $2.9 बिलियन की जलवायु लचीलापन सुविधा की घोषणा की।
गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी घाटियों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, बाढ़ प्रबंधन और पूर्व-चेतावनी प्रणालियों के आधुनिकीकरण के लिए एक बड़ा बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है। यह फंड भारत, नेपाल और बांग्लादेश में सीमा पार जल संसाधन प्रबंधन और सतत बुनियादी ढांचे को गति देगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomic Surveillance Network 4.0' to Counter Emerging Zoonotic Threats.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने उभरते जूनोटिक खतरों से निपटने के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक सर्विलांस नेटवर्क 4.0' की शुरुआत की।
जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण नए संक्रामक रोगों के प्रसार की समय रहते पहचान करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा में उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार किया है। यह नेटवर्क जीनोम अनुक्रमण डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण करके संभावित महामारियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को अलर्ट जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Logistics and Post-Harvest Infrastructure Scheme 2026' with Focus on GI-Tagged Goods.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने जीआई-टैग उत्पादों पर केंद्रित 'मुख्यमंत्री कृषि-लॉजिस्टिक्स एवं फसल-कटाई उपरांत अवसंरचना योजना 2026' को मंजूरी दी।
राज्य के कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी है। इसके तहत मिथिला मखाना, मुजफ्फरपुर की शाही लीची, कतरनी चावल और भागलपुरी जर्दालु आम के आधुनिक प्रसंस्करण, कोल्ड चेन और निर्यात इकाइयों की स्थापना के लिए विशेष सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

English Headline: Bihar Forest and Climate Change Department Completes Satellite-Based Wetland Inventory in Gandak Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक बेसिन में उपग्रह-आधारित आर्द्रभूमि सूचीकरण का कार्य पूरा किया।
उत्तर-पश्चिमी बिहार की प्राकृतिक आर्द्रभूमियों (Wetlands) और पारिस्थितिकीय जल निकायों के संरक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग आंकड़ों पर आधारित मैपिंग पूरी कर ली गई है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल संचयन क्षेत्रों का अतिक्रमण रोकना, जलीय जैव विविधता का संरक्षण और क्षेत्रीय भूजल स्तर को सुधारना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Squad Tops Medal Tally at World Archery Cup Stage with Double Gold in Compound Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने कंपाउंड स्पर्धाओं में दोहरे स्वर्ण पदक के साथ विश्व तीरंदाजी कप चरण की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मिश्रित टीम और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदियों को हराकर स्वर्ण पदक जीते। इस जीत ने आगामी विश्व प्रतियोगिताओं के लिए भारत की मजबूत स्थिति को सुनिश्चित किया है।

English Headline: International Olympic Committee (IOC) Approves Implementation of Real-Time AI Sensor Analytics for Multi-Sport Judging.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने बहु-खेल निर्णय प्रक्रिया के लिए रीयल-टाइम एआई सेंसर एनालिटिक्स के कार्यान्वयन को मंजूरी दी।
वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं में स्कोरिंग और निर्णयों को पूरी तरह से पारदर्शी और सटीक बनाने के उद्देश्य से आईओसी ने नए तकनीकी मानक लागू किए हैं। इसके तहत एथलेटिक्स, जिम्नास्टिक और डाइविंग जैसी स्पर्धाओं में फिनिश लाइन और तकनीक के बारीक विश्लेषण के लिए उच्च-सटीक एआई कैमरों का उपयोग किया जाएगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

छोटी कोशिश, बड़ा बदलाव

स्वतंत्रता दिवस के बाद विद्यालय में प्रधानाध्यापक बच्चों से देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण के बारे में बातचीत कर रहे थे।

प्रधानाध्यापक ने पूछा, "बच्चों, क्या देश के लिए योगदान देने के लिए हमें कोई बहुत बड़ा काम करना जरूरी है?"

राजू ने कहा, "शायद बड़ा अधिकारी बनना पड़ेगा।"

सुनैना बोली, "या फिर कोई बड़ा आविष्कार करना होगा।"

प्रधानाध्यापक मुस्कुराए, "नहीं, देश को बेहतर बनाने में हर व्यक्ति की छोटी-सी कोशिश भी महत्वपूर्ण होती है।"

उसी समय खिड़की के पास बैठे राजू की नजर एक गिलहरी पर पड़ी। वह बार-बार सूखी घास, पत्तियाँ और छोटी-छोटी टहनियाँ उठा रही थी और पेड़ की डालियों के बीच ले जा रही थी।

राजू कुछ देर तक उसे देखता रहा। उसने कहा, "सर, यह गिलहरी इतनी छोटी-छोटी चीजें जुटाकर क्या कर रही है?"

प्रधानाध्यापक बोले, "अपना घर बना रही है। उसके लिए शायद एक तिनका बहुत छोटा है, लेकिन वही तिनका उसके घर का हिस्सा बनता है।"

यह बात राजू के मन में बैठ गई।

अगले दिन विद्यालय में स्वच्छता अभियान शुरू हुआ। कुछ बच्चे बोले, "हम अकेले थोड़ा-सा कूड़ा उठाएँगे तो क्या बदल जाएगा?"

राजू ने कहा, "एक तिनके से घोंसला बन सकता है, तो हमारी छोटी-छोटी कोशिशों से विद्यालय क्यों नहीं बदल सकता?"

बच्चों ने मिलकर परिसर की सफाई की। किसी ने कूड़ा उठाया, किसी ने पौधों की देखभाल की, किसी ने पानी की बर्बादी रोकने का संकल्प लिया और किसी ने आसपास के लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया।

कुछ ही घंटों में विद्यालय का पूरा परिसर बदल गया।

प्रधानाध्यापक ने कहा, "यही राष्ट्र निर्माण है। देश केवल बड़े कामों से नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों की छोटी-छोटी जिम्मेदारियों से आगे बढ़ता है।"

राजू ने पेड़ की ओर देखा। गिलहरी अब अपने छोटे-से घर में लौट चुकी थी।

सीख : कोई भी ईमानदार प्रयास छोटा नहीं होता। जब हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी निभाता है, तो छोटी-छोटी कोशिशें मिलकर बड़े बदलाव का निर्माण करती हैं।

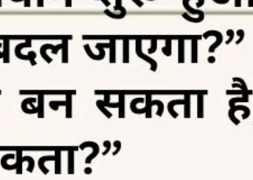

................✍️

मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

लोक नृत्य "झारी"

चम्पारण की खास लोक संगीत/नृत्य "झारी"

बिहार के तराई और चंपारण की सोंधी माटी में सावन की फुहारों के बीच जब हवाएं सरसराती हैं, तो वहां की चौपालों और सड़कों पर गूंजने वाली छड़ियों की 'खट-खट' की ताल सिर्फ एक आवाज़ नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक जीवंतता की धड़कन है। गुजरात के डांडिया या देश के अन्य हिस्सों के पारंपरिक लाठी नृत्यों के समकक्ष खड़ी यह स्वदेशी लोककला "झारी" कहलाती है, जो मुख्य रूप से श्रावण मास, नागपंचमी और कजरी के उल्लासभरे दिनों में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ प्रकट होती है। यह नृत्य और गीत का एक ऐसा अनूठा संगम है जिसमें ग्रामीण समाज की सादगी, खेतों की महक और सामूहिक आनंद का असीम विस्तार समाहित है।

झारी की जड़ें चंपारण के कृषि समाज और श्रम-संस्कृति के बहुत गहरे में उतरी हुई हैं। ऐतिहासिक रूप से, धान की कठिन रोपनी के थकान भरे दिनों के बाद जब सावन की रिमझिम फुहारें वातावरण को सुहाना बनाती थीं, तब ग्रामीण युवा और किसान शाम ढलते ही चौपालों पर एकत्र होते थे। यह नृत्य उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक उल्लास का माध्यम था। इसमें जाति, वर्ग और उम्र के बंधन स्वतः टूट जाते थे और पूरा गांव एक गोल घेरे में आकर हाथ में मजबूत बांस की छड़ियां थाम लेता था। मौखिक परंपराओं के जरिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती यह लोक शैली भगवान शिव की बारात, कृष्ण-लीला, प्रकृति के सौंदर्य और लोक-नायकों के आख्यानों को अपने गीतों के जरिए जीवंत रखती आई है।

झारी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी पहचान केवल किसी एक समुदाय की सांस्कृतिक सीमा में बंद नहीं रही। उपलब्ध लोक-साहित्य संबंधी दस्तावेजों में पूर्वांचल की ऐसी परंपराओं का उल्लेख मिलता है, जिनमें हिन्दू समुदाय के लोग मुहर्रम के अवसर पर भी झारी गाते, ताजिया बनाते अथवा उसमें सहभागी होते रहे हैं। लोकरंग की सामग्री में इस साझा परंपरा का प्रत्यक्ष उल्लेख मिलता है और यह भी बताया गया है कि मुहर्रम में झारी लकड़ी के डंडों को बजाकर गाई जाती है। मुहर्रम की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मृति, विशेषकर हसन और हुसैन की कथा, संघर्ष और शहादत, लोकभाषा और लोकधुन के माध्यम से सामान्य ग्रामीण समाज तक पहुँचती है। कई जगह झारी गीतों में हसन-हुसैन को योगी के रूप में प्रस्तुत करने वाले लोकगीत का भी उल्लेख मिलता है।

इस लोक शैली की सबसे बड़ी खूबी इसका आंतरिक संगीत और अद्वितीय रिदम है। झारी में किसी बड़े, भारी या कृत्रिम वाद्य यंत्र की अनिवार्यता नहीं होती; कलाकारों के हाथों में लहराती छड़ियों का आपसी टकराव ही वह प्राकृतिक ताल पैदा करता है जो रोंगटे खड़े कर देने वाली ऊर्जा भर देता है। इसमें 'अगुआ' (मुख्य गायक) द्वारा उठाई गई लोकगीत की एक पंक्ति को घेरे में घूम रहे बाकी साथी 'पछुवा' (कोरस) के रूप में एक निश्चित ताल और तीव्र गति से दोहराते हैं। नृत्य की शुरुआत जहां एक धीमी, अनुशासित और संयत लय से होती है, वहीं जैसे-जैसे रात गहरी होती है, इसका टेम्पो (गति) इतना द्रुत और मत्त करने वाला हो जाता है कि दर्शक और कलाकार दोनों लोक-लय की एक अलग ही दुनिया में पहुंच जाते हैं।

विडंबना यह है कि आधुनिकता की अंधी दौड़, मनोरंजन के नए साधनों और पारंपरिक मेलों व चौपालों के सिमटते दायरे ने चंपारण की इस अनमोल थाती को आज विलुप्ति के मुहाने पर ला खड़ा किया है। राज्य के सांस्कृतिक मानचित्र पर इसे वह आधिकारिक पहचान और आदर नहीं मिल पाया जिसकी यह हकदार थी। इसके पारंपरिक गीतों, धुनों और नृत्यों के चरणों का कोई ठोस डिजिटल या लिखित दस्तावेजीकरण न होने के कारण यह कला अब चंपारण के कुछ सुदूर गांवों के बुजुर्गों की स्मृतियों तक सिमट कर रह गई है। यदि समय रहते इसे संरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां इस समृद्ध विरासत को केवल किंवदंतियों के रूप में ही जान पाएंगी।

बिहार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, स्थानीय प्रशासन, विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से यदि ऐसे प्रयास किए जाएँ तो झारी जैसी लोकपरंपराएँ केवल संग्रहालय की वस्तु बनने से बच सकती हैं। युवा पीढ़ी इन्हें डिजिटल माध्यम, लोक-मंच, वृत्तचित्र और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचा सकती है।

इस अनमोल लोक-विरासत को बचाने के लिए अब केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि युद्धस्तर पर सार्थक पहल करने का समय है। बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को चाहिए कि वे राजकीय महोत्सवों, लोक-उत्सवों और पर्यटन सर्किट में झारी के पारंपरिक दलों को मंच और प्रोत्साहन प्रदान करें, ताकि कलाकारों को आर्थिक संबल भी मिल सके।

साथ ही, आज की Gen Z और युवा पीढ़ी से यह गंभीर आह्वान है कि वे अपनी जड़ों से कटने के बजाय इस स्वदेशी ताल को अपनी आधुनिक सांस्कृतिक पहलों, डिजिटल रील्स और फ्यूजन संगीत का हिस्सा बनाएं। जब तक युवा अपनी मिट्टी की इस अनूठी लय पर गर्व करना नहीं सीखेंगे, तब तक हमारी लोक-पहचान अधूरी रहेगी। झारी को बचाना केवल एक विलुप्त होती कला को पुनर्जीवित करना नहीं है, बल्कि अपनी उस सामूहिक सांस्कृतिक आत्मा को बचाना है जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है।

...................✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का

■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

• यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप

• शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : जहानाबाद, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: जहानाबाद: दर्धा-मोरहर का पाट, खगोलीय क्षितिज और मगध का मैदानी भूगोल

भौगोलिक, प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से जहानाबाद केवल एक ज़िला नहीं, बल्कि पटना और गया के मध्य स्थित मगध का सबसे सघन और केंद्रीय प्रशासनिक सेतु है। वर्ष 1986 में गया ज़िले से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह ज़िला मगध प्रमंडल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में पटना, पूर्व में नालंदा, दक्षिण में गया तथा पश्चिम में अरवल ज़िले को स्पर्श करती हैं। एनएच-83 (पटना-गया मार्ग) और मुख्य रेल मार्ग पर स्थित होने के कारण जहानाबाद उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच एक अपरिहार्य परिवहन व व्यापारिक गलियारा है।

इस ज़िले के संपूर्ण भूगोल की सबसे बड़ी विशेषता दर्धा (Dardha), मोरहर, जमनाई और फल्गु (सीमांत) जैसी मैदानी नदियों का प्रवाह तंत्र है। ये न नदियाँ दक्षिण की पहाड़ियों से निकलकर जहानाबाद के समतल धरातल को सींचती हुई उत्तर की ओर बहती हैं। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जहानाबाद का संपूर्ण धरातल अत्यंत उपजाऊ जलोढ़ मैदान (Alluvial Plain) से बना है। यहाँ की मिट्टी मुख्य रूप से 'केवाल' (भारी चिकनी दोमट) और 'बलसुंदरी' का उत्कृष्ट मिश्रण है, जो जल-धारण की अद्भुत क्षमता रखती है।

इस ज़िले की सबसे बड़ी प्राकृतिक और पुरातात्विक पहचान इसके दक्षिणी सीमांत पर स्थित बराबर और नागार्जुनी पहाड़ियों (Barabar Hills) की कटीली शृंखलाएँ हैं। यद्यपि इन पहाड़ियों का मुख्य हिस्सा गया और जहानाबाद के सीमांत पर है, परंतु इसका ऐतिहासिक प्रवेश द्वार और सांस्कृतिक जुड़ाव जहानाबाद के मखदुमपुर क्षेत्र से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसके अतिरिक्त, खगोल विज्ञान के इतिहास में जहानाबाद का खगौल (तारेगना के निकटवर्ती क्षेत्र) और बराबर की तलहटी का क्षेत्र प्राचीन काल से ही तारों व नक्षत्रों की गणना का मुख्य केंद्र रहा है, जहाँ गुप्तकाल में महान गणितज्ञ आर्यभट्ट ने अपनी खगोलीय वेधशाला स्थापित की थी।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय मानसूनी है। समतल मैदानी भूगोल के कारण यहाँ की मिट्टी की उर्वरता अत्यधिक उच्च है। इस भूगोल का सीधा प्रभाव स्थानीय कृषि आर्थिकी पर पड़ता है; जहानाबाद मुख्य रूप से एक सघन कृषि-प्रधान ज़िला है, जहाँ धान, गेहूं, दलहन (मसूर, चना) और सब्जियों की बंपर पैदावार होती है। दर्धा और मोरहर नदियों के कछारों में होने वाली रबी की फसलें स्थानीय मंडियों की रीढ़ हैं। परंतु, मानसून के दौरान नदियों के उफान से होने वाला अचानक जल-जमाव और गर्मियों में भू-जल स्तर का गिरना यहाँ के किसानों के सामने एक प्रमुख भौगोलिक चुनौती बना रहता है।

दर्धा और मोरहर के उपजाऊ कछारों, आर्यभट्ट के खगोलीय क्षितिज और मगध के इस केंद्रीय मैदानी भूगोल का यह प्रामाणिक विश्लेषण बिहार के कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र को समझने के लिए एक वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

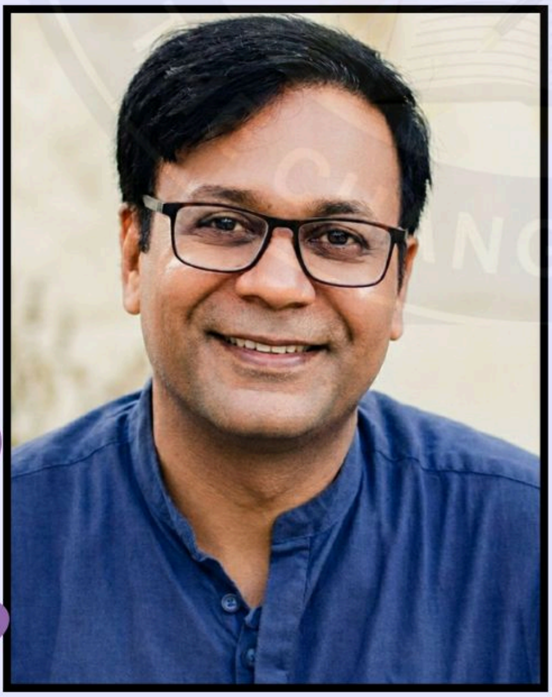

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org